Atmiyata Se Antarvasna Poorti Tak

Added : 2016-01-25 21:57:19

पहले तो आप सबको धन्यवाद.. मेरी बाकी कहानियों को बहुत अच्छा रेस्पॉन्स मिला.. आपके लिए पेश है नई कहानी।

यह एक आंटी की कहानी है.. जो मेरे बाजू वाले घर में रहती थीं। वो थोड़ी उम्रदराज़ भी थीं.. लेकिन बोलचाल में सहज थीं। उन्हें एक बेटा भी था.. वो यहाँ जॉब करती थीं और उनके पति दूसरे शहर में काम करते थे। मेरी उनसे बोलचाल बढ़िया चलती थी और किसी न किसी कारण से आना-जाना भी लगा रहता था।

एक दिन उनके बेटे की तबियत कुछ ज़्यादा बिगड़ गई और उन्होंने मुझे बुलाया, मुझे डॉक्टर को बुला लाने के लिए कहा।
मैं भी तुरंत उनकी मदद करते हुए डॉक्टर को ले आया। डॉक्टर ने कहा- बुखार कुछ ज़्यादा है.. और उसके पास रात भर किसी को रहना पड़ेगा।
मैंने उनके पति को भी इनफॉर्म कर दिया.. लेकिन वो व्यस्त थे.. इसलिए एक दिन बाद आने वाले थे।

डॉक्टर चले गए.. उन्होंने कुछ दवाईयां दीं जो खरीदने के लिए मैं मेडिकल स्टोर पर गया और लौटा तो देखा आंटी मुझे फोन ही लगा रही थीं और साथ में रो भी रही थीं।

उन्होंने मुझे बताया उनका बेटा बाथरूम में चक्कर आने के वजह से गिर गया है। हम दोनों ने उसे वापिस बिस्तर पर लिटाया और दवाई देकर सुला दिया।
आंटी बेडरूम में चली गईं।
मैंने उन्हें आवाज़ लगाई.. क्योंकि मुझे उन्हें दवाई के बारे में भी बताना था।
लेकिन वो आई नहीं..

मैं ढूँढते हुए अन्दर गया तो देखा कि वो दीवार से लग कर सिसकियाँ ले रही थीं और रोए जा रही थीं।
मैंने उन्हें समझाते हुए कहा- मैं हूँ न.. अगर कुछ भी लगे तो..
मुझे समझ नहीं आ रहा था उन्हें रोने से कैसे रोकूँ, मैंने उनके हाथ को पकड़ते हुए बोला- आंटी.. प्लीज़.. आप रोए ना.. अभी तो आपको अपने आपको संभालना होगा।

यह बात करते ही वो मेरी बाँहों में लिपट कर रोने लगीं.. बोलने लगीं- काश मेरे पति हमारी तरफ ध्यान देते और मुझे आत्मीयता से अपना बनाते..
मैं उन्हें समझाते हुए उनकी पीठ सहलाने लगा.. मेरा कोई गलत इरादा नहीं था.. पर जाने क्यों मैं उन्हें और वो मुझे.. बाँहों में कसने लगी।
दोनों के बीच कोई दूरी नहीं थी।

मैंने एक बार नीचे देखते हुए उनके होंठ चूम लिए। हम दोनों एक-दूसरे को देखने से कतरा रहे थे.. लेकिन कोई किसी को रोक नहीं रहा था।
मैंने फिर से उन्हें देखा और इस बार होंठ से होंठ चूम कर उन्हें जीभ से चाटने लगा। आंटी भी मेरे बालों को सहलाते हुए मुझे चुम्बन करने लगीं।
मैं उन्हें कमर से दबोच के दीवार से सटा कर मदहोशी से उन्हें चूमने लगा, हमारी उंगलियाँ एक-दूसरे में मिलने लगीं..

उनका पल्लू भी नीचे गिर गया और मैं उन्हें गले पर चूमते हुए क्लीवेज तक आया, मैंने ब्लाउज से

क्लीवेज में जीभ सरका दी और वो सीत्कारें भरने लगीं।
मैं ब्लाउज के ऊपर हाथ से उनके दोनों मम्मे सहलाते हुए उनकी दूध घाटी को चाट रहा था।
मैं नीचे को झुका और पेट को कस कर चूम लिया, उनकी नाभि में जीभ घुमाने लगा।

मैंने आंटी को देखते हुए अपनी टी-शर्ट उतारी, फिर उनके ब्लाउज का एक-एक हुक खोलते हुए उन्हें चूमने लगा। उन्होंने ब्रा नहीं पहनी थी.. इसलिए उनके मम्मे मेरे चेहरे पर घिसने लगे।

मैंने ब्लाउज को हटाते हुए एक निप्पल चूसते हुए मुँह में ले लिया और दूसरे मम्मे को मसलने लगा। वो दीवार से सटकर खड़ी थीं और मैं उनकी गाण्ड पकड़ कर दोनों मम्मों को बारी-बारी से चूस रहा था।

मैं जल्दी ही उनकी पूरी साड़ी खोल दी.. पेटीकोट के नाड़े को दाँतों से खोला और वो नीचे गिर पड़ा।
मैं जीभ से ही उनकी पैन्टी को चूमने लगा, फिर पैरों को ऊपर से नीचे चाट-चाट कर पैन्टी गीली कर दी।

वो मेरे बालों को सहलाते हुए सर दबाने लगी।
मैं पैन्टी हटाने की कोशिश कर ही रहा था.. पर उन्होंने रोक लिया, मुझे ऊपर बुलाते हुए कंधे पर किस किया।

हमने एक-दूसरे को बाँहों में लिया और बेसब्री से चूमने लगे। उन्होंने मुझे दीवार से लगाते हुए मेरी छाती पर हल्के से काट लिया। फिर मेरे कंधे पर काट लिया और फिर होंठ से होंठ मिला दिए।
मैंने उन्हें कसके पकड़ा और बिस्तर की तरफ ले चला, हम दोनों बिस्तर पर गिरे और एक-दूसरे को कसके आलिंगन में भरते हुए किस करने लगे।
बार-बार.. लगातार.. कभी मेरी जीभ उनके होंठ में कभी उनकी जीभ मेरे होंठ में मजे ले रही थी।

मैंने आवेश में आकर उनकी पैन्टी निकाल फेंकी, उनकी फ़ैली हुई टाँगें बिस्तर के नीचे थीं, मैं बिस्तर के नीचे बैठा और टाँगों को अन्दर से चूमते हुए.. उनकी टाँगें ऊपर से नीचे तक चाटने लगा।
अचानक मैंने उनकी जाँघ पर हल्के से काट लिया और चूत के इर्द-गिर्द गोल-गोल जीभ घुमाने लगा, उनकी चूत पर होंठ लगा कर एक किस ले लिया, फिर बार-बार होंठ दबाते हुए उसे चाटने लगा।

वो ‘आहें..’ भरते हुए मेरा सर चूत में दबाने लगीं, उनकी टाँगें मेरे कंधों पर कसने लगीं।
मैंने चूत पर थूका और थूक फ़ैलाते हुए जीभ को चूत में सरका दिया।
वो उचक गईं लेकिन वो टाँगों के बीच मेरा सर और दबाने लग गईं, मैं चूत के दाने को हिलाते हुए चूत के अन्दर-बाहर तेज़ी से जीभ घुमाने लगा।

चूत काफ़ी गीली हो रही थी और उन्होंने अचानक टाँगें कसके अपना रस मुझे पर छोड़ दिया, कुछ पल मुझे जकड़े रहीं.. फिर वो बेड पर उठ कर बैठ गईं।

मैं उनके सामने खड़ा था.. उन्होंने मेरी तरफ देखते हुए मेरे पैन्ट के हुक को खोला.. ज़िप खोली और मेरे लंड को बाहर निकाला।
मैंने लौड़े को हिलाते हुए उनके होंठों पर रखा.. और उसे मसलने लगा।
उन्होंने अपने होंठ खोल दिए.. ज़ुबान को बाहर निकल कर लौड़े के टोपे को चूसने लगीं।

एक हाथ से लंड मसलते हुए मुझे देख कर लंड चाटने लगीं। मैंने उनके हाथ पीछे किए.. लंड मुँह में ही था। अब मैं लंड को उनके मुँह में अन्दर-बाहर करके ठोकने लगा.. कभी तेज़ी से.. कभी आराम से.. उनके मुँह में जीभ को घिसते हुए लंड अन्दर-बाहर हो रहा था।
अब हम दोनों को होश बाकी नहीं था।

वो लंड को ऊपर से नीचे चाटते हुए ऊपर से नीचे जाने लगीं और मेरे आँडों को ज़ोर-ज़ोर चाटने लगीं।
फरि अचानक लंड को मुँह से चूसने लगीं..
मेरी साँसें तेज हो रही थीं, लंड उनके थूक से पूरा गीला हो चुका था, उनके चूसने से लंड का पानी बाहर आने को बेताब हो रहा था, मैंने उन्हें इशारा कयिा.. और उन्होंने जीभ बाहर नकिाली, मेरा सारा माल उनकी जीभ पर नकिलने लगा।
उन्होंने मुझे देखते हुए सारा माल पी लयिा और फरि लंड को साफ़ करने लगीं।

हम दोनों एक बार झड़ चुके थे.. लेकनि दोनों को मन नहीं भरा था।
मैंने उन्हें बेड पर प्यार से लटिाया और उन्हें बाँहों में लेते हुए चूमने लगा।
मैंने उनसे पूछा- कतिने दनिों से सेक्स नहीं कयिा?
उनका जवाब मलिा- उन्हें सेक्स नहीं इंटमिेसी चाहए.. अपनापन चाहए.. कई दनिों के बाद उन्हें वो एहसास आज मलिा..

ऐसा कहते उन्होंने मुझे अपने होंठ से चूम लयिा और मेरी उंगलयिों से उंगलयिां मलिा कर मेरे बदन को चूमने लगीं, मेरी छाती पर 'लवबाईट' कयिा, मेरे बदन से बदन घसिते हुए मुझे फरि से मदहोश करने लगीं।
हम एक-दूसरे से लपिटे हुए थे.. तभी मैंने उन्हें बेड पर उल्टा लटिा दयिा और उनके ऊपर आकर पीठ को चूमते हुए पीछे से हाथ डाल कर मम्मे दबाने लगा, वो भी मज़े से 'आहें..' भरने लगीं।

मैंने पीठ को बीच में नीचे से ऊपर जीभ से पूरा चाटते हुए उनकी गर्दन पर काट लयिा।
उन्होंने मेरे कान में कुछ कहा.. मुझे थोड़ा अजीब सा लगा.. पर मैंने सोचा कि आंटी की खातरि कर लेता हूँ।

मैं उनकी पीठ को चूमते हुए नीचे जाने लगा.. कमर पर ज़ोर से काटा और गाण्ड के बीच मुँह रगड़ दयिा.. उससे मसलने लगा और उसे हर तरफ चूमने लगा। गाण्ड को हाथ से फैलाते हुए बीच में जीभ लगा दी और छेद को चाटने लगा।
वो अचानक मेरा सर अन्दर दबाने लगीं, मेरी जीभ धीरे-धीरे छेद में अन्दर जाने लगी और मैं उनकी गाण्ड मज़े से चाटने लगा।

उनकी छटपटाहट से मालूम हो रहा था उन्हें ये सब कतिना पसंद आ रहा है।
मैंने पूरी अन्दर तक उनकी गाण्ड चाटी, फरि आकर उन्हें कस कर चूम लयिा।

हम दोनों ही कामोत्साहति होकर चूमाचाटी करने लगे।
फरि मैंने उनकी टाँगों के बीच लंड रखा.. चूत को मसलने लगा और सुपारा अन्दर धकेल दयिा।
वो तोड़ा चीख पड़ीं.. मैंने उनके ऊपर आकर.. उन्हें कमर से पकड़ कर लंड पूरा अन्दर उतारने लगा।

लंड चूत को चोद रहा था और उनके मम्मे हलि रहे थे।
थोड़ी देर उन्हें ऐसे ही चोदा और बाद में ज़ोर-ज़ोर से उनके बाल खींचते हुए मैं उनको कुतयिा बना कर चोदने लगा.. वो भी पूरा साथ दे रही थीं।

फरि मैंने लंड बाहर नकिाला और उनके ऊपर आकर पागलों जैसे चूमते हुए मम्मे काटने लगा, वो सर दबाते हुए मम्मे चुसवाने लगीं और अचानक मैंने उन्हें पकड़ कर पूरा लंड फरि से उनकी चूत में पेल दयिा.. वो एक अचानक हुए हमले से ज़ोर से चलि्ला पड़ीं।
मैं उनके होंठ पर हाथ रखते हुए उनकी ज़ोर-ज़ोर से चुदाई करता रहा, मुझे एहसास हो रहा था कि मैं झड़ने वाला हूँ।

मैंने उन्हें यह बताते हुए लंड नकिाला.. उन्होंने लंड को अपने हाथ से चूत पर रखा और कहा- आ जाओ..

यह अहसास कभी नहीं भूलूंगी।
मैंने अन्दर लंड डालते हुए उन्हें थोड़ा और चोदा और उन्हें बाँहों में समेट कर उनकी चूत में अपना रस उतार दिया।
हम दोनों बहुत कसके एक-दूसरे से लिपट गए और हमारी आँख लग गई।

सुबह जब आँख खुली.. तो हम वैसे ही लिपटे पड़े थे।
मैं उठने लगा.. तब उनकी आँख खुली..
मैंने उन्हें फिर से जी भर के होंठों पर चुम्बन किया और उन्होंने भी उतने ही आवेश में मेरे होंठ चूमे।
बाद में तैयार होकर मैं उनके बेटे से एक बार मिल कर वहाँ से चला गया।

कुछ दिनों के बाद आंटी यहाँ से कहीं और ट्रान्स्फर लेकर चली गईं.. जो भी हुआ हमारे बीच वो एक आत्मीयता और प्यार से भरा एहसास था, मैं उसे सिर्फ़ सेक्स का नाम नहीं दे सकता।
इसी कारण से हम कभी एक-दूसरे के रंग और रूप को तौलने की ज़रूरत नहीं पड़ी.. ना हमने कभी एक-दूसरे का पीछा किया या फिर एक-दूसरे को परेशान किया।
बस एक एहसास मिला.. जो लफ्ज़ों में बयान करना मुश्किल है..

हर बार की तरह आपका फीडबैक ज़रूरी है।
akshad69@gmail.com

« Back To Home

For more sex stories Visit: AntarVasna.Us